

पूरक पाठ्य पुस्तक	भारत एक खोज
पाठ	युगों का दौर
शीर्षक	विचारधारा और तर्क
समय	दो कालाँश
प्रकार	व्यक्तिगत
विद्यार्थी संख्या	एक
कौशल	वाचन
आवश्यक सामग्री	कागज़, कलम, रंगीन कलम , कार्यपत्र ।

चरण:-

1 शैक्षिक अधिगम

- विद्यार्थी किसी भी समूह के समक्ष अपनी बात को तर्कपूर्ण ढंग से रखने की कला को सीख पाएँगे ।
- उनमें आत्मविश्वास का संचार होगा और दूसरों की बात को मद्देनज़र रखते हुए अपनी बात से उन्हें सहमत करने की कला में निपुण हो सकेंगे ।

2 अध्यापिका गतिविधि :-

- अध्यापिका विद्यार्थियों को भाषण-प्रस्तुति की विशिष्टताओं से परिचित कराएंगी ।
- अध्यापिका विद्यार्थियों के समक्ष भाषण का विषय रखेंगी ।
- सभी विद्यार्थियों को इस विषय पर चिंतन-मनन करने तथा भाषण लेखन का समय देंगी।
- भाषण की क्रियाविधि के निर्देश :-

1.भाषण का विषय:-

बदलते युग और बदलती संस्कृतियाँ

2.भाषण का समय : तीन से पाँच मिनट

3.भाषण की विशिष्टताएँ- भाषा की शुद्धता, उदाहरणों का प्रयोग, तार्किकता, व्यवहारिकता, व्यंग्यात्मकता

- अध्यापिका समय-समय पर आवश्यकता पड़ने पर अपनी राय भी दे सकती है ।
- अध्यापिका मौखिक भाषण का मूल्यांकन करेंगी ।
- कक्षा में भाषण प्रस्तुति के पश्चात् उसका लिखित साक्ष्य अध्यापिका को दिया जाएगा ।
- गतिविधि के पश्चात विद्यार्थियों को कार्यपत्र करने के लिए दिया जाएगा ।

3 शिक्षार्थी गतिविधि :-

- सभी शिक्षार्थी विषय पर चिंतन-मनन कर उसे कलमबद्ध करेंगे ।
- समय-समय पर आवश्यकता पड़ने पर अध्यापिका की राय भी ले सकते हैं ।
- तदुपरांत उस पर अपने-अपने भाव अभिव्यक्त करते हुए अपना भाषण प्रस्तुत करेंगे ।
- यदि कोई शिक्षार्थी उस बात से सहमत नहीं होगा तब वह पहले वाले शिक्षार्थी का भाषण समाप्त होने पर उसकी बात का खण्डन करते हुए अपना तर्क प्रस्तुत करेगा ।
- कक्षा में भाषण प्रस्तुति के पश्चात् उसका लिखित साक्ष्य अध्यापिका को दिया जाएगा ।
- विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे ।

4. मूल्यांकन के मानदण्ड :-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

पाठ : युगों का दौर
विद्यार्थी का नाम :

गतिविधि : विचारधारा और तर्क
अनुक्रमांक :

गतिविधि से पूर्व भाषण
कला का ज्ञान :

भाषण प्रस्तुत करते हुए
अनुभव :

भाषण
गतिविधि
का
अनुभव

गतिविधि से सीखा :

गतिविधि के पश्चात मिले
सुझावों के प्रति मेरी सोच